पर्वतीय कृषि दर्पण
ICAR-VPKAS
Newsletter
(An ISO 9001 : 2015 Certified Institute)

Volume 22, No. 2 July-December, 2018

From the Director's Desk

Doubling farmers' income by 2022 can be achieved through active backup from agriculture research, both in the on-farm and the off-farm sector. Hills of India present a unique condition where in one hand the climate provides suitability for advance research for some crops and off-season cultivation of several high value crops. On the other hand delivery of the agricultural produce immediately to market is constrained by remoteness. Thus, primary processing equipment and skill development assumes a great importance.

During a second half of 2018, the institute focused its attention towards advanced research on on-farm and off-farm crop, technology extension and primary value addition. A brief on the achievements are presented in the following section. Any suggestion to improve the quality of output/service is welcome.

(Arunava Pattanayak)

निदेशक की कलम से .....

प्रक्षेत्र एवं प्रक्षेत्र के बाहर कृषि अनुसंधान को सक्रिय प्रोत्साहन देकर वर्ष 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है। भारतवर्ष के पर्वतीय क्षेत्रों की स्थिति अनुपम है जहां एक ओर जलवायु कुछ फसलों एवं कुछ उच्च मूल्य वाली फसलों की खेती के लिए बेमौसम में और अधिक अनुसंधान हेतु उपयुक्तता दर्शाती है। वहीं दूसरी ओर दूरस्थता के कारण उत्पादों को तुरन्त विपणन हेतु बाजार में पहुंचाना अत्यन्त कठिन है। इसलिए प्राथमिक प्रसंस्करण उपकरण एवं कौशल विकास का अत्यन्त महत्व हो जाता है।

वर्ष 2018 की द्वितीय छमाही के दौरान संस्थान द्वारा अपना ध्यान प्रक्षेत्र एवं प्रक्षेत्र से बाहर लगने वाली फसलों पर अग्रिम शोध, तकनीकी प्रसार एवं प्रथम चरण के मूल्य सम्वर्धन पर केन्द्रित किया गया। इस संस्करण में संस्थान की उपलब्धियों पर एक संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है। संस्थान द्वारा किये गये कार्यों की गुणवत्ता में सुधार लाने हेतु सुझावों का स्वागत है।

(अरूणव पट्टनायक)

Research Achievements

Tracing the stigma receptivity and time of effective pollination in long day onion (VL *Piaz* 3)

In the onion variety VL *Piaz* 3, stigma was observed to remain receptive (as exhibited by capsule development) from late afternoon of 3rd day to 5th day (around 15:00 hrs). Stigma receptivity was at its peak on the 4th day and capsule development ranged from 75.0 to 87.5%. Results also indicated that 11:00 to 17:00 hours on the 4th day is the most appropriate period for pollination in the hills.

शोध उपलब्धियाँ

लम्बे प्रकाश अवधि वाले प्याज (वी0एल0 प्याज 3) में स्टीगमा ग्रहणशीलता और प्रभावी परागण के समय का अनुरेखण

प्याज (वी0एल0 प्याज 3) में फूल खिलने के 3–5 दिन से दोपहर के बाद (लगभग 15:00 बजे) स्टीगमा ग्रहणशील हो जाता है। स्टीगमा ग्रहणशीलता चौथे दिन अधिकतम होती है और कैपसूल का विकास 75–87.5 प्रतिशत होता है। परिणामों से यह ज्ञात होता है कि चौथे दिन 11:00 से 17:00 बजे तक पर्वतीय क्षेत्र में परागण सबसे ज्यादा प्रभावी होता है।

भाकृअनुप–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा–263601 (उत्तराखण्ड)
ICAR-VIVEKANANDA PARVATIYA KRISHI ANUSANDHAN SANSTHAN, ALMORA - 263 601, UTTARAKHAND
फोन: (05962)-230060, 230208, फैक्स: (05962)-231539, ई–मेल: vpkas@nic.in, director.vpkas@icar.gov.in, वेबसाइट: www.vpkas.icar.gov.in

Emasculated flowers

Experimental plot

Capsule development in flowers (umbels) pollinated at different hrs. on 4th day from the day of anthesis

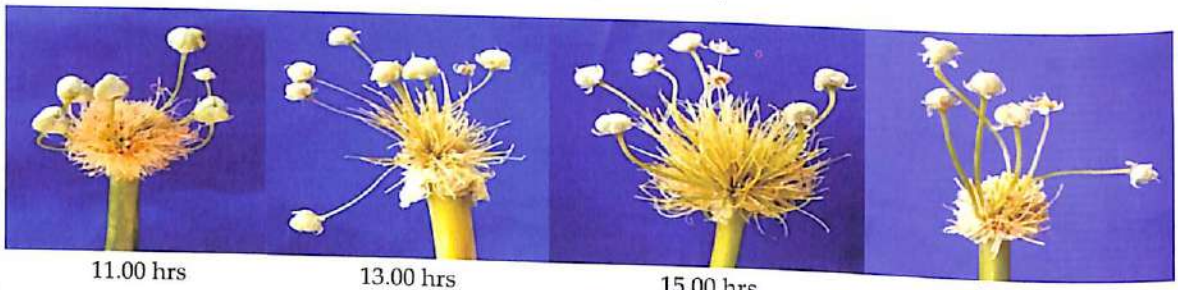

11.00 hrs | 13.00 hrs | 15.00 hrs | 17.00 hrs

(Time of pollination)

Development of Vivek Solar Drier

Lot of damage occur from birds, insects, monkeys and unexpected rainfall during the drying process in the conventional method of drying of agricultural commodity/produce/ food. To overcome this problem, institute has developed "Vivek Solar Drier". This is made of polycarbonate sheet, which is flexible and do not break easily. Solar operated exhaust fan is also attached at the top of this drier. Wheels are put at the bottom for its easy movement. Three trays with drying capacity of 5 to 20 kg per batch depending on the type of produce are attached

विवेक सोलर ड्रायर

कृषि उत्पाद/खाद्य पदार्थो के पारम्परिक विधि से सुखाते समय पक्षियों, कीटों, बन्दरों एवं अप्रत्याशित वर्षा से काफी नुकसान होता है। इस समस्या के समाधान हेतु संस्थान ने 'विवेक सोलर ड्रायर' विकसित किया है। यह सोलर ड्रायर पॉलीकार्बोनेटशीट का बना है जोकि आसानी से नहीं टूटता। सोलर ड्रायर के ऊपरी हिस्से पर सोलर चालित निकास पंखा (एग्ज्हौस्ट फेन) लगा हुआ है एवं इसके नीचे पहिये लगे है जिससे ड्रायर का एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना आसान है। ड्रायर में तीन ट्रे है जिनकी क्षमता सामग्री अनुसार 5 से 20 किलोग्राम प्रति बैच है। इस ड्रायर का उपयोग

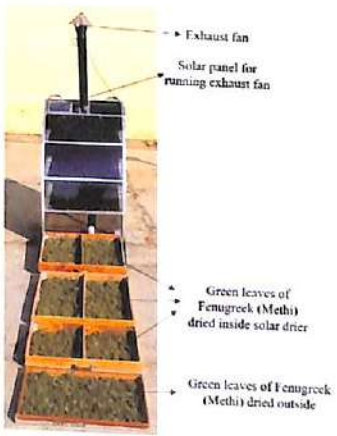

Vivek Solar Drier

in the chamber. This can be used for drying of perishable, semi-perishable and non-perishable agricultural commodities/ produce/ food and wet processed food materials. It was tested in different situation and it was found that at 1300 hrs. the ambient average temperature was 26°C, while in the solar drier, it increased up to 37.4 °C, 50.6 °C, 59.2 °C and 66.9 °C in the basement, lower tray, middle tray and upper tray, respectively. Drying of maize grains was also tested. In this process, results showed that after three days of drying, reduction in grain weight was to the tune of 14.8, 15.2 and 18.5 % in lower tray, middle tray and upper tray, respectively as compared to only 11.4 % reduction in grains dried in the open. The drier will help marginal and poor farmers who can't afford hi-tech facilities to preserve their agricultural producte.

Comparison of antioxidant activities in cap and stipe of *Macrocybe gigantea*, an edible mushroom

Macrocybe gigantea is a tropical mushroom and grows under the environment of high temperature and humidity. It tastes sweet and is rich in nutritional components such as protein, polysaccharide, fat, amino acid and mineral elements. It is appreciated primarily for its flavour but can also be a healthy supplement to the diet. In addition, many medicinal properties such as anti-bacterial, anti-oxidation and anti-tumour effects have been claimed.

The mushroom was cultivated on wheat straw substrate using standard methodology. The temperature of the crop room was 25-35^{0}C and relative humidity was 70-80% during the cropping

Crop of *Macrocybe gigantea* at Experimental Farm, Hawalbagh

कृषि उत्पादों से बनी वस्तुयें/कृषि उत्पाद/खाद्यों एवं गीले प्रंसस्करित खाद्य सामग्री को सुखाने के लिए किया जा सकता है। इस ड्रायर का परीक्षण विभिन्न परिस्थितियों में किया गया। जिसमें पाया गया कि दिन में 1:00 बजे बाहर का औसत तापमान 26^0 सेटीग्रेड या जबकि सोलर ड्रायर के अन्दर यह तापमान तलहटी, नीचे की ट्रे, बीच की ट्रे एवं ऊपर की ट्रे में बढ़कर क्रमशः 37.4^0, 50.6^0, 59.2^0, एवं 66.9^0 सेंटीग्रेड हो गया। ड्रायर में जब मक्के के दानों को सुखाया गया तो यह पाया गया कि सुखाने के तीन दिन बाद मक्के के दानों का वजन नीचे, बीच एवं ऊपर की ट्रे में क्रमशः 14.8, 15.2, एवं 18.48 प्रतिशत तक घटा जबकि बाहर रखे दानों का वजन मात्र 11.4 प्रतिशत तक घटा। यह ड्रायर उन सीमान्त एवं गरीब किसानों के लिए बहुत उपयोगी होगा जो अपने कृषि उत्पादों के परीरक्षण हेतु हाईटेक सुविधाएं एवं उपकरण नहीं जुटा सकते।

खाद्य मशरूम, मैक्रोसाइबी गााइगैन्टिया, की कैप एवं तना में उपस्थित एन्टीऑक्सीडेन्ट क्रियाशीलता की तुलना

मैक्रोसाइबी गाइगैन्टिया एक उष्णकटिबंधीय मशरूम है एवं यह अधिक तापक्रम एवं नमीयुक्त वातवरण में उगता है। यह स्वाद में मीठा होता है तथा यह पोषकीय अवयवों यथा प्रोटीन, पॉलीसैकेटाइड्स, वसा, अमीनो अम्ल एवं खनिज लवणों युक्त होता है। अपने स्वाद के कारण सराहनीय होने के साथ ही यह भोजन हेतु एक स्वस्थ पूरक है। साथ ही, इसमें अत्यधिक औषधीय गुण जैसे जीवाणुरोधी, एन्टीऑक्सीडेन्ट क्रियाशीलता एवं ट्यूमर रोधी गुण विद्यमान हैं।

मानक कार्यप्रणाली द्वारा इस मशरूम का उत्पादन गेहूँ के भूसे माध्यम पर किया गया। फसल के दौरान फसल कक्ष का तापमान 25–30^0 सेंटीग्रेट एवं आपेक्षिक आर्द्रता 70–80 प्रतिशत रखी गयी। मशरूम की जैविक क्षमता

प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र, हवालबाग में मैक्रोसाइबी गाइगैन्टिया की फसल

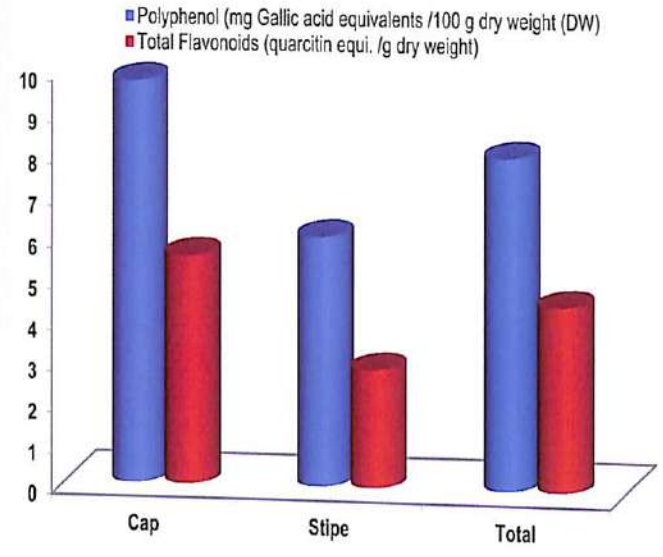

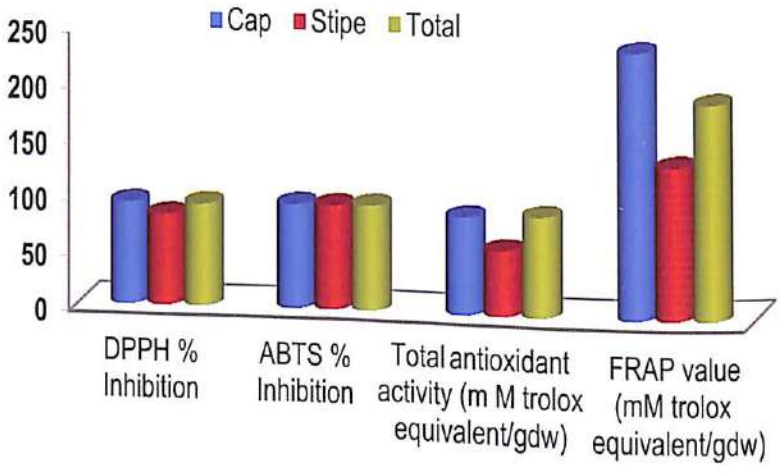

period. The biological efficiency of the mushroom was 60%. The mushroom can be kept for 10 days in refrigerated condition and 3-4 days at room temperature.

Polyphenols, total flavonoids, Radical Scavenging Activity (RSA) on DPPH and ABTS, total antioxidant activity and ferric reducing antioxidant power (FRAP) from cap, stipe and whole mushroom were evaluated. The cap contained higher polyphenols (9.72mg GAE/100g dry wt.), total flavonoids (5.54 quercitin equi/g) than the other parts tested. Our findings indicate that the mushroom is a good antioxidant food where its cap contributes the most.

Activities of Krishi Vigyan Kendras

Training programmes on different aspects of hill agriculture were organized at KVK Uttarkashi and Bageshwar for the farmers of respective districts. Apart from this, extension of improved technologies as front line demonstrations were also done at farmers field by KVKs.

Activities

KVK, Chinyalisaur (Uttarkashi)

Trainings - 27 (714 beneficiaries)

FLDs - 35.5 ha (574 beneficiaries)

Seed Production - 18.5 q. seed of various crops, 30 q hybrid Napier and 10,925 seedlings

60 प्रतिशत प्राप्त हुई। मशरूम को कमरे के तापमान पर 3–4 दिनों तक एवं फ्रीज में 10 दिनों तक रखा जा सकता है।

मशरूम के कैप एवं तने से पॉलीफिनाल, कुल फ्लैवोनायड्स, डीपीपीएच व एबीटीएस पर रेडिकल स्कैवेंजिंग क्रियाशीलता, कुल आक्सीकार क्रियाशीलता तथा फेटिक न्यूनता आक्सीकारक क्षमता (एफआरएपी) का मूल्यांकन किया गया। अन्य भाग की तुलना में कैप में ज्यादा पॉलीफिनाल (9.72 किग्रा0 गै. अ. समकक्ष/100 ग्रा0 शुष्क भार), कुल फ्लैवोनायड्स (5.54 क्वेरसिटिन समकक्ष/ग्रा.) एवं एफआरएपी (234.94 माइक्रोमोल ट्रोलाक्स समकक्ष/ग्रा.) पाया गया। हमारा परिणाम यह इंगित करता है कि मशरूम एक अच्छा ऑक्सीकारक भोजन है जिसमें इसक कैप का अधिकतम योगदान है।

कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियाँ

कृषि विज्ञान केन्द्र उत्तरकाशी एवं बागेश्वर द्वारा किसानों हेतु विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके अन्तर्गत किसानों को कृषि के विभिन्न आयामों पर प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही कृषि की उन्नत तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने हेतु इन केन्द्रों द्वारा अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन भी किये गये।

गतिविधियां

कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी)

प्रशिक्षण – 27 (714 लाभार्थी)

अग्रिम पंक्तिप्रर्दशन – 35.5 है. (574 लाभार्थी)

विभिन्न फसलों का बीज उत्पादन –18.5 कु. हाईब्रिड नेपियर का 30 कु0 बीज एवं 10,925 पौध

Breast feeding awareness week at KVK, Uttarkashi

Parthenium eradiction week at KVK, Uttarkashi

KVK, Kafligair (Bageshwar)

Trainings- 23 (489 beneficiaries)

FLDs - 65.85 ha (2270 beneficiaries) Besides, 500 chicks were distributed for backyard poultry farming

Seed Prodution - 14.58 q. seed of various crops, 0.26 q. of vegetable crops and 1 lakh 20 thousand seedlings of onion

Hon'ble Central Minister of State, Textile visited KVK, Kafligair on 25.08.18

कृषि विज्ञान केन्द्र काफलीगैर (बागेश्वर)

प्रशिक्षण – 23 (489 लाभार्थी)

अग्रिम पंक्तिप्रर्दशन – 65.85 है. (2270 लाभार्थी), इसके अतिरिक्त 500 चूजे बैकयार्ड मुर्गी पालन हेतु दिये गये।

विभिन्न फसलों का बीज उत्पादन –14.58 कु. सब्जी फसलों का 0.26 कु0 एवं प्याज की एक लाख बीस हजार पौध

Field Day on Pigeon pea variety VL Arhar 1

Other Activities

- ICAR-Vivekananda Parvatiya Krishi Anusandhan Sansthan celebrated its 95th Foundation Day on July 4, 2018 with great enthusiasm. Shri Ajay Tamta, Minister of State for Textiles and Member of Parliament (MP) from Almora constituency was the Chief Guest on the occasion.

अन्य गतिविधियाँ

- दिनांक 4 जुलाई 2018 को भाकृअनुप–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान का 95वाँ स्थापना दिवस संस्थान के अल्मोड़ा स्थित सभागार में धूम–धाम से मनाया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री अजय टम्टा, वस्त्र राज्य मंत्री, भारत सरकार एवं सांसद, अल्मोड़ा थे।

Hon'ble Minister during Foundation Day

- *Kisan Mela* was organized at the Experimental Farm, Hawalbag on September 27, 2018 with great enthusiasm. Shri. Nitin Singh Badauria, District Magistrate, Almora, was the Chief Guest of the function. On the occasion, Chief Guest released institute newsletter *Parvatiya Krishi Darpan"*. More than 500 farmers participated in the *Kisan Mela*.

Release of Parvatiya Krishi Darpan

Model Training Course on IPM in Major Hill Crops Conducted

ICAR-VPKAS conducted a Model Training Course on Integrated Pest Management in Major Hill Crops during 03 to 10th October 2018. Nineteen participants from five states of the country *viz.*, Uttarakhand, Himachal Pradesh, Sikkim, Arunachal Pradesh and Kerala attended the program. Total 30 theory lectures and nine practical sessions on concepts and components of IPM, identification of insect pest and diseases of crops and their management, biointensive pest management, natural enemy conservation, plant quarantine, pesticide selection, safe handling of pesticides, nutrient deficiencies in crop plants, weed management and wild animal management. Lectures on disease forecasting, ITK and ICTs in pest management were also included.

- किसान मेले का आयोजन सितम्बर 27, 2018 को प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र हवालबाग में अत्यन्त उल्लास के साथ किया गया। श्री नितिन सिंह भदौरिया जिलाधिकारी, अल्मोड़ा इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि द्वारा संस्थान की समाचार पत्रिका पर्वतीय कृषि दर्पण का विमोचन किया गया। किसान मेले में 500 से अधिक कृषकों ने भागीदारी की।

Kisan Mela at Experimental Farm, Hawalbag

मुख्य पर्वतीय फसलों में समेकित नाशीजीव प्रबन्धन पर माडल प्रशिक्षण कोर्स का आयोजन

भाकृअनुप–वी0पी0के0ए0एस0 में दिनांक अक्टूबर 03–10, 2018 को मुख्य पर्वतीय फसलों में समेकित नाशीजीव प्रबन्धन विषय पर माडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में देश के पांच राज्यों नामतः उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम, अरूणाचल प्रदेश एवं केरल के 19 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की। समेकित नाशीजीव प्रबन्धन, रोग–कीट की पहचान एवं प्रबन्धन, बायोइन्टेन्सिव नाशीजीव प्रबन्धन, प्राकृतिक शत्रु संरक्षण, प्लांट क्वारटाइन, कीटनाशक चयन, कीटनाशक का सुरक्षित प्रयोग, फसल के पौधों में पोषक तत्वों की कमी, खरपतवार प्रबन्धन एवं जंगली पशु प्रबन्धन विषयों पर कुल 30 व्याख्यान एवं 09 प्रयोगात्मक सत्र आयोजित किये गये। इनमें रोग अनुमान, स्वदेशी तकनीकी ज्ञान, नाशीजीव प्रबन्धन पर सूचना संचार तकनीकी को भी शामिल किया गया।

Model Training Course on IPM

Participation in ICAR North Zone Sports Tournament - 2018

The Institute contingent participated in the ICAR North Zone Sports Tournament – 2018 held at ICAR – Central Institute for Research on Buffaloes, Hisar from 14 to 16 November 2018 and bagged 13 medals (5 Gold, 4 Silver and 4 Bronze) in different events. Overall, the Institute stood 3rd among 24 institutes participating in the tournament.

भाकृअनुप की उत्तर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता 2018 में सहभागिता

संस्थान के कर्मचारियों ने भाकृअनुप–केन्द्रीय भैंस अनुसंधान संस्थान, हिसार में दिनांक 14 से 16 नवम्बर, 2018 को अयोजित भाकृअनुप की उत्तर क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता 2018 में भाग लेते हुए विभिन्न प्रतियोगिताओं में 05 स्वर्ण, 04 रजत एवं 04 कांस्य सहित कुल 13 पदक जीते। इस वार्षिक प्रतियोगिता में भाकृअनुप के उत्तरी क्षेत्र के कुल 24 संस्थानों में संस्थान का तीसरा स्थान रहा।

Winners of VPKAS in ICAR North Zone Sports

- The QRT meeting for the period 2013-18 was held under the chairmanship of Dr. Tej Partap, Vice-Chancellor, APG Shimla University, Shimla at the institute on July 20 - 21, 2018. The members of QRT (2013-18) Dr. M.Y. Zargar, Director (Research), SKUAST, Srinagar and Dr. S.P. Sharma, Ex-Director (Research), CSKHPKVV, Palampur alongwith member secretary, Dr. J.K. Bisht visited the institute and its KVKs (at Chinyalisaur and Bageshwar) and held meetings there during December 2-6, 2018.

- संस्थान हेतु 2013–18 के लिए गठित पंचवर्षीय मूल्यांकन दल की बैठक का आयोजन डा0 तेज प्रताप, कुलपति ए0पी0जी0 विश्वविद्यालय, शिमला की अध्यक्षता में संस्थान में जुलाई 20–21, 2018 को किया गया। इस दल के सदस्य डा0 एम0वाई0 जरगर, निदेशक, शोध, एस0के0यू0ए0एस0टी0, श्रीनगर, डा0 एस0पी0 शर्मा, पूर्व निदेशक (शोध), सी0एस0के0एच0पी0के0वी0, पालमपुर तथा सदस्य सचिव डा0 जे0के0 बिष्ट द्वारा संस्थान एवं इसके चिल्यालीसौण एवं बागेश्वर स्थित कृषि विज्ञान केन्द्रों का दिसम्बर 2 से 6, 2018 तक भ्रमण कर बैठक आयोजित की गयी।

Visit of QRT

- Meetings of the Town official Language Implementation Committee, Almora were organized on 27.07.2018 and 14.12.2018 at ICAR- VPKAS, Almora. Sh. Ajay Malik, Deputy Director (Implementation), Deptt. of Official Language, Gaziabad and Dr. P.K. Agrawal, Assistant

- भाकृअनुप–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा में 27.07.2018 व 14.12.2018 को नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक आयोजित की गयी। इन बैठकों में क्रमशः श्री अजय मलिक, उपनिदेशक (कार्यान्वयन), राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (उ.–2) गाजियाबाद एवं डा0 पी0के0

Meeting of Town official Language Implementation Committee

Director General (NASF), ICAR, New Delhi were the Chief Guests of the occasions, respectively. In addition, officers and representatives of the Central Govt. Offices, Undertakings, National Banks, Para-Military Forces also participated in the meeting.

- Material Transfer Agreement for VL Baby corn 2 signed with Bioseed Research, Hyderabad, Telangana on 09.08.2018 for its large scale production and sale.
- Technology License Agreement for Vivek Millet thresher cum pearler was signed with M/s Punjab Agricultural Implements Private Ltd, Saharunpur UP on 09.08.2018 for its large scale production and sale.

Technology Licenseing

- The XXII Research Advisory Committee (RAC) meeting of VPKAS, Almora was held on September 14, 2018 under the Chairmanship of Dr. K.R. Dhiman, Ex. Vice Chancellor, Dr. Y.S. Parmar University of Horticulture & Forestry, Nauni, Solan.
- Hindi Diwas was organized on 14 September, 2018 at ICAR-VPKAS Experimental Farm, Hawalbag, Almora. Dr. K.R. Dhiman, Former Vice Chancellor of Y.S. Parmar University of Horticulture and Forestry, Solan and Chairman of the Research Advisory Committee of ICAR- VPKAS, Almora graced as Chief Guest on the occasion.

अग्रवाल, सहायक महानिदेशक (एन0ए0एस0एफ0), भाकृअनुप, नई दिल्ली मुख्य अतिथि थे। इसके अतिरिक्त इस बैठक में अल्मोड़ा नगर के केन्द्रीय सरकार के विभागों, कार्यालयों, उपक्रमों, सशस्त्र बलों एवं राष्ट्रीयकृत बैंको के अधिकारियों एवं प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

- वी0एल0 बेबीकॉर्न 2 के उच्चस्तरीय उत्पादन एवं बिक्री हेतु मै0 बायोसीड रिसर्च, हैदराबाद (तेलंगाना) के साथ सामग्री अंतरण समझौते पर दिनांक अगस्त 9, 2018 को हस्ताक्षर किये गये।
- विवेक मिलेट थ्रैशर कम पर्लर के उच्चस्तरीय उत्पादन एवं बिक्री हेतु मै0 पंजाब एग्रीकल्चरल इम्प्लीमैट्स प्राइवेट लि0, सहारनपुर (उ0प्र0) के साथ तकनीकी लाइसेंस समझौते पर दिनांक अगस्त 9, 2018 को हस्ताक्षर किये गये।

RAC Meeting at the Insitute

- संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति की 22वीं बैठक का आयोजन डा0 वाई0एस0 परमार बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, नौनी, सोलन के पूर्व कुलपति डा0 के0 आर0 धीमन की अध्यक्षता में दिनांक सितम्बर 14, 2018 को किया गया।
- भाकृअनुप–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा में 14 सितम्बर 2018 को हिन्दी दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र हवालबाग के सभागार में आयोजित हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ वाई एस परमार औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन के पूर्व कुलपति एवं संस्थान की अनुसंधान सलाहकार समिति के अध्यक्ष डॉ के.आर. धीमन ने की।

Hindi Diwas organized at Experimental Farm, Hawalbag

- Maize Field Day was organized at Dhanpau (Dehradun) on 15.09.18.

- धनपौ, देहरादून में दिनांक सितम्बर 15, 2018 को मक्का प्रक्षेत्र दिवस का अयोजन किया गया।

Maize Day organized at Dhanpau (Dehradun)

- Finger millet field day was organized at Tipola village of Almora on September 17, 2018. Around 100 farmers participated in this field day.

- अल्मोड़ा के तिपोला गांव में दिनांक सितम्बर 17, 2018 को मंडुवा प्रक्षेत्र दिवस का अयोजन किया गया। इस प्रक्षेत्र दिवस में लगभग 100 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

Finger Millet Field Day at Tipola

- Rich tribute was paid to Bharat Ratna Late Sh. Atal Bihari Vajpayee on the occasion of first monthly death anniversary by organizing kavi sammelan and recitation competition of his poetries on September 16, 2018 in the Auditorium of ICAR-VPKAS, Almora. Poet laurets of Hindi Literature namely, Dr. Diwa Bhatt, Sh. Tribhuwan Giri, Sh. Naveen Bisht and Dr. Deepa Gupta graced the occasion by reciting poetries of Sh. Vajpayee ji and own tributes to the great soul. All the employees of the Institute were present on the occasion.

- भाकृअनुप– विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा के सभागार में 16 सितम्बर, 2018 को भारत रत्न स्व0 श्री अटल बिहारी वाजपेयी की मासिक पुन्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु स्व0 श्री अटल जी की कविताओं का वाचन एवं वाचन प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इस अवसर पर हिन्दी साहित्य एवं काव्य जगत की महान विभूतियां नामतः डा. दिवा भट्ट, श्री त्रिभुवन गिरि, श्री नवीन बिष्ट एवं डा. दीपा गुप्ता के साथ–साथ संस्थान के समस्त कार्मिक उपस्थित थे।

Kavi Sammelan and Recitation Competition

- Institute and its KVKs celebrated swachhta fortnight during September 15 to October 2, 2018 and December 16 to 31, 2018. During these various activities were undertaken.

- दिनांक सितम्बर 15 से अक्टूबर 2, 2018 एवं दिसम्बर 16–31, 2018 को संस्थान एवं इसके कृषि विज्ञान केन्द्रों में स्वच्छता पखवाड़े का आयोजन किया गया। इन अवसरों पर विभिन्न गतिविधियां की गयीं।

- *Kharif* field monitoring was done on September 19, 2018 at the Experimental Farm, Hawalbag.

- प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र, हवालबाग में दिनांक सितम्बर 19, 2018 को खरीफ मौसम में बोयी गयी फसलों का निरीक्षण किया गया।

- Small millet field day and Soybean field day were organized at Tunakot and Raundal villages, respectively on Sept. 19 and Sept. 20, 2018.

- तूनाकोट एवं रौनडाल गांव में क्रमशः दिनांक सितम्बर 19 एवं 20, 2018 को कदन्न फसलों एवं सोयाबीन प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन किया गया।

Small Millet Field Day

- Institute's Director and scientists attended National Seminar on "Development of Hill Agriculture: Policy and Institutional Imperative" on October 1, 2018 at SKUAST, Srinagar (J&K).

- संस्थान के निदेशक एवं वैज्ञानिकों ने पर्वतीय कृषि के विकासः नीति एवं संस्थागत अनिवार्यता विषय पर एस0के0यू0ए0एस0टी0, श्रीनगर (जम्मू एवं कश्मीर) में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में दिनांक अक्टूबर 1, 2018 को भाग लिया।

- Rajbhasha Sangosthi/ Worshop was organized in the Auditorium of ICAR- VPKAS, Hawalbag on October 12, 2018. Lectures on efficient use of Hindi were delivered and extempore competition was also organized. Prize distribution of the various activities undertaken during the Hindi Chetna Mas was also took place.
- Institute Research Council (IRC) meeting for *Rabi* 2018-19 was held at Experimental Farm, Hawalbag on October 25, 2018.
- The Director along with the team of scientists participated in a meeting with officials of state department of Agriculture, Jammu and SKUAST Jammu on 29.10.2018 as a follow up of the action point of RCM 1.

- भाकृअनुप–विवेकानन्द पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, अल्मोड़ा के प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र हवालबाग के सभागार में अक्टूबर 12, 2018 को राजभाशा संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान हिन्दी के प्रागामी प्रयोग हेतु व्याख्यान दिये गये तथा तात्क्षणिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया तथा चेतना मास के अन्तर्गत किये गयो विभिन्न कायक्रमों के पुरस्कार भी वितरित किये गये।
- रबी 2018–19 हेतु संस्थान के हवालबाग प्रक्षेत्र में दिनांक अक्टूबर 25, 2018 को संस्थान शोध समिति की बैठक आयोजित की गयी।
- संस्थान के निदेशक एवं वैज्ञानिकों ने कृषि विभाग, जम्मू एवं एस0के0यू0ए0एस0टी0, जम्मू के अधिकारियों के साथ दिनांक अक्टूबर 29, 2018 को क्षेत्रीय समिति 1 की बैठक के कार्यबिन्दुओं के पालन हेतु बैठक की।

Meeting for follow up action of RCM-1

IRC Meeting

- World Soil day was celebrated on December 5, 2018 at Experimental Farm, Hawalbag of ICAR-VPKAS, Almora. On the occasion Dr. M.Y. Zargar, Director (Research), SKUAST, Srinagar was the Chief Guest and Dr. S.P. Sharma, Ex-Director (Research), CSKHPKVV, Palampur was the Guest of Honour.

- भाकृअनुप–वि.प.कृ.अनु.सं., अल्मोड़ा के प्रयोगात्मक प्रक्षेत्र, हवालबाग में दिनांक 05.12.18 को विश्व मृदा स्वास्थ्य दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डा. एम. वाई. ज़रगर, निदेशक (शोध), शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान एवं तकनीकी विश्विद्यालय, श्रीनगर मुख्य अतिथि एवं डा. एस. पी. शर्मा, पूर्व निदशक (शोध), सी.एस.के.एच.पी. के.वी.वी., पालमपुर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

World Soil Health Day at Experimental Farm, Hawalbag

- The 14th Annual Workshop of All India Coordinated Research Project on Plasticulture Engineering and

- भाकृअनुप–वि.प.कृ.अनु.सं., अल्मोड़ा में दिनांक 18–19 दिसम्बर, 2018 को अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना– प्लास्टिकल्चर

14th Annual Workshop on AICRP on PET

Technologies (AICRP on PET) was organised on 18-19 December 2018 at ICAR-VPKAS, Almora. Dr. R.S. Rawal, Director, GBPNIHESD, Kosi-Katarmal, Almora, was the Chief Guest. Speaking on the occasion Dr. Rawal highlighted the importance of plastics in agriculture and suggested for preparation of proper plan to mitigate the effect of plastic on the environment. A brief progress report of the project work during 2018-19 was presented by Dr. R.K. Singh Project Coordinator, AICRP on PET & Director, ICAR-CIPHET, Ludhiana. He informed that at present 14 centres at different locations in the country are working in the project. Dr. Pitam Chandra and Dr. Ashwani Kumar, ex-Directors of ICAR institutes were the special guests. They briefed about the history and establishment of the project and highlighted that use of the plastics is a need of the hour for increasing production and water conservation. More than 40 delegates from different institutes and universities participated in this workshop. Eleven technical bulletins/ extension books and two video films were also released on this occasion. In the plenary session, Dr. A. Pattanayak, Director, ICAR-VPKAS, Almora explained about the demand of the plasticulture engineering technologies in the India and particularly in Himalayan states.

Awards

- Dr. ARNS Subbanna received Young scientist award from Society for scientific development in agriculture & technology, Meerut (UP) in an international conference on Global Research Initiatives for Sustainable Agriculture and Allied Sciences held at RARI, Durgapura, Rajasthan from 28-30th October, 2018.

Training Programmes

- A three-day (July 16-18, 2018) training programme on Mushroom Production Technology was conducted at the institute, in which 29 farmers from Tehri Garhwal participated.

अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी की 14वीं वार्षिक कार्यशाला का आयोजन हुआ। डा. आर.एस. रावल, निदेशक, गोविन्द बल्लभ पन्त राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण एवं सतत विकास संस्थान, कोसी कटारमल, अल्मोड़ा इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने पर्वतीय परिपेक्ष्य में कृषि के विकास हेतु प्लास्टिक की उपयोगिता पर बल दिया एवं प्लास्टिक से होने वाले वातावरणीय प्रभाव को ध्यान में रखकर आगे की रणनीति तैयार करने के लिए कहा। डा. आर. के. सिंह, निदेशक भाकृअनुप–केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना एवं परियोजना समन्वयक, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना–प्लास्टिकल्चर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी द्वारा वर्ष 2018–19 का वार्षिक प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने कहा कि वर्तमान में देश के विभिन्न हिस्सों में कुल 14 केन्द्र इस परियोजना के अन्तर्गत कार्य कर रहे हैं। विशिष्ट अतिथि डा. प्रीतम चन्द्रा एवं डा. अश्विनी कुमार, भाकृअनुप संस्थानों के पूर्व निदेशकों द्वारा इस परियोजना की आधारशिला के विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी एवं वर्तमान में कृषि उत्पादन बढ़ाने एवं जल संरक्षण हेतु प्लास्टिक की उपयोगिता को अत्यन्त आवश्यक बताया गया। कार्यशाला में देश के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के 40 से अधिक वैज्ञानिकों सहित कृषि विशेषज्ञ, नीतिकार व प्रसार कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। इस अवसर पर 11 तकनीकी बुलिटिन एवं प्रसार पुस्तिका एवं दो चलचित्रों का विमोचन भी किया गया। प्लेनरी सत्र को सम्बोधित करते हुए डा. ए. पट्टनायक, निदेशक, भाकृअनुप– वि.प.कृ.अनु.सं, अल्मोड़ा ने प्लास्टिकल्चर अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी की देश विशेषकर पर्वतीय राज्यों में बढ़ती मांग पर जोर दिया।

पुरस्कार

- मार्च 28, 2018 को रारी, दुर्गापुर, राजस्थान में आयोजित सतत् कृषि और संबद्ध विज्ञान के लिए वैश्विक अनुसंधान पहल पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के अवसर पर डा0 ए0आर0एन0एस0 सुबन्ना ने कृषि और प्रौद्योगिकी में विज्ञान के विकास हेतु समाज, मेरठ (यू0पी0) से युवा वैज्ञानिक पुरस्कार प्राप्त किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

- संस्थान में (दिनांक जुलाई 16–18, 2018) मशरूम उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें टिहरी गढ़वाल से 29 कृषकों ने प्रतिभाग किया।

- A fifteen-day (01-15 August, 2018) skill development training for tribal women was organised at ICAR VPKAS, Hawalbagh under Tribal Sub-Plan. The participants were trained on tailoring and beauty culture for enhancing their family income. Total 16 women from Jaunsar region (Dehradun), Dasoli (Chamoli), Sitarganj (Udham Singh Nagar) and Munsyari (Pithoragarh) participated in the programme.
- Two trainers' training programme on *Kadann Phasaloan ka Katai Uprant Prabandhan* were conducted on September 18 and September 19, 2018 for 59 extension functionaries of different NGOs of Uttarakhand.
- One-day training on Saffron cultivation in Parsari & Merag on 20.09.18 and Malari & Niti on 21.09.18 and Mana on 22.09.18 were conducted under TSP pragram.
- Three-day training programme (25-27 Sept, 2018) for tribal farmers of Sahiya cluster of district Dehradun was conducted.
- Three-day training programme for tribal farmers of Chakrata cluster of district Dehradun was conducted from 27-29 Sept. 2018.
- One-day exposure visit of 24 students of Vivekananda Inter College, Ranidhara, Almora was conducted on Nov 20; 2018.
- Training programme of *Bemousmi Sabji Utpadan Evem Polyhouse Prabandhan* was conducted for 29 farmers of Bhatwari, Distt-Uttarkashi (Uttarakhand) during December 21-23, 2018.
- *Kaushal Vikas Prashikshan Shivir on Sugam Sichai Taknikiya* is being conducted for 20 participants from Bageshwar, Almora, Hawalbag and Dwarahat during December 27, 2018 -January 25, 2019.

- आदिवासी उपयोजना के अन्तर्गत (दिनांक अगस्त 01–15, 2018) संस्थान के हवालबाग प्रक्षेत्र में आदिवासी महिलाओं हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण का आयोजन हुआ। प्रतिभागियों को सिलाई और सौन्दर्य संस्कृति पर प्रशिक्षित किया गया ताकि वे अपनी पारिवारिक आय बढ़ा सकें। कार्यक्रम में जौनसार क्षेत्र (देहरादून), डसौली (चमोली), सितारगंज (उधम सिंह नगर) एवं मुन्स्यारी (पिथौरागढ़) की कुल 16 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।
- कदन्न फसलों का कटाई उपरान्त प्रबन्धन विषय पर दो प्रशिक्षु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सितम्बर 18 व 19 को उत्तराखण्ड के विभिन्न गैर सरकारी संस्था के 59 प्रसार कार्यकर्ताओं के लिए किया गया।
- जनजातीय उपयोजना के अन्तर्गत केसर की खेती विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण का अयोजन सितम्बर 20, 2018 को परसारी एवं मेराज, सितम्बर 21, 2018 को मलारी एवं नीति तथा सितम्बर 22, 2018 को माणा में किया गया।
- जिला देहरादून के साहिया क्लस्टर के आदिवासी किसानों हेतु तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (सितम्बर 25–27, 2018) आयोजित किया गया।
- जिला देहरादून के चकराता क्लस्टर के आदिवासी किसानों हेतु सितम्बर 25–27, 2018 तक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- विवेकानन्द इण्टर कालेज, रानीधारा, अल्मोड़ा के 24 विद्यार्थियों के लिए एक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन नवम्बर 20, 2018 को किया गया।
- बेमौसमी सब्जी उत्पादन एवं पौलीहाउस प्रबन्धन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम भटवारी, जिला– उत्तरकाशी उत्तराखण्ड) के 29 कृषकों हेतु दिसम्बर 21–23, 2018 को आयोजित किया गया।
- सुगम सिंचाई तकनीकी पर कौशल विकास प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बागेश्वर, अल्मोड़ा, हवालबाग एवं द्वाराहाट के 20 प्रतिभागियों के लिए दिसम्बर 27, 2018 से जनवरी 25, 2019 तक किया जा रहा है।

Human Resource Development

- Miss Usha Birdi, Assistant attended training course for newly recruited Assistants during June 11 to July 6, 2018 at ISTM, New Delhi.
- Dr. Nirmal Chandra, Pr. Scientist and Er. Jitendra Kumar, Scientist attended training on Role of technology in community level disaster mitigation during August 20-24, 2018 at LBSNAA, Mussorie, Uttarakhand.

मानव संसाधन विकास

- कु0 ऊषा बिर्दी, सहायक ने नवनियुक्त सहायकों हेतु दिनांक जून 11 से जुलाई 06, 2018 के दौरान आई0एस0टी0एम0, नई दिल्ली में आयोजित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- अगस्त 20–24, 2018 के दौरान एल0बी0एस0एन0ए0ए0, मसूरी, उत्तराखण्ड में आयोजित सामुदायिक स्तर पर आपदा शमन में प्रौद्योगिकी की भूमिका प्रशिक्षण कार्यक्रम में डा0 निर्मल चन्द्रा, प्रधान वैज्ञानिक एवं इंजी0 जितेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक ने भाग लिया।

- Dr. P.K. Mishra, Pr. Scientist attended one day J-gate@ CeRA Regional Ambassador training program for Libraries of North Zone Agricultural Universities & institutes of ICAR at PAU, Ludhiana on August 27, 2018.
- Mrs. Nidhi Singh, Technical Officer attended training on Extension of women entrepreneurial skill for agricultural development during September 4-8, 2018 at MANAGE, Hyderabad.
- Dr. K.K. Mishra, Pr. Scientist attended training course on stem rust during September 29 – October 9, 2018 at Njoro, Kenya.
- Mr. Vijay Pal Singh, STA and Mr. Neeraj Kumar Pandey, TA attended ICAR sponsored human resource development programme on enhancing personal effectiveness at workplace during October 8-13, 2018 at ICAR-IARI, New Delhi.
- Er. Shyam Nath, Scientist attended winter school training programme on Recent engineering interventions in food and by-product processing for sustainable growth and profitability during October 5-25, 2018 at ICAR-CIPHET, Ludhiana.
- Mr. J.P. Gupta, STA and Mr. Rajendra Prasad, Technician attended Model training course on IPM in Majaor hill crops during October 3-10, 2018 at ICAR-VPKAS, Almora.
- Mr. L.M. Tiwari, AAO attended Refresher course on administrative and finance management for SO/AAOs/ AFAOs/ Assistants of ICAR Head Quarter/ Institute during December 10-14, 2018 at ICAR-NIASM, Baramati, Maharastra.
- Dr. J.K. Bisht, Pr. Scientist and PME In-Charge, PME attended MDP on PME during December 17-22, 2018 at ICAR-NAARM, Hyderabad.
- Dr. S.C. Pandey, Pr. Scientist attended MDP on Leadership development (a pre-RMP programme) during December 18-29, 2018 at ICAR-NAARM, Hyderabad.

Retirement

- Dr. V. K. Sachan, Head and Principal Scientist, KVK, Chiyalisaur on 31.08.2018
- Shri Mohan Singh Rautela, Technical Officer on 31.08.2018
- Shri Mahendra Ram, Skilled Supporting Staff on 30.09.2018
- Shri L.D. Malkani, Asstt. Chief Technical Officer on 31.12.2018

Regularization

- Smt. Jibuli Devi, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018

- डा0 पी. के. मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक ने 27 अगस्त 2018 को पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना में उत्तरी क्षेत्र के विश्वविद्यालयों एवं भाकृअनुप के संस्थानों के पुस्तकालयों के लिए एक दिवसीय जे– गेट@सेरा क्षेत्रीय एम्बेसडर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी की।
- सितम्बर 4–8, 2018 के दौरान मैनेज, हैदराबाद में आयोजित कृषि विकास के लिए महिला उद्यमिता कौशल विस्तार प्रशिक्षण में श्रीमती निधि सिंह, तकनीकी अधिकारी ने भाग लिया।
- सितम्बर 29–अक्टूबर 9, 2018 को नजोरा, कैन्या में आयोजित स्टैम रस्ट प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में डा0 के0के0 मिश्रा, प्रधान वैज्ञानिक ने भाग लिया।
- अक्टूबर 8–13, 2018 के दौरान भाकृअनुप– आई0ए0आर0आई0, नई दिल्ली में आयोजित कार्यस्थल पर व्यक्तिगत प्रभावशीलता को बढ़ाने विषय पर भाकृअनुप प्रायोजित मानव संसाधन कार्यक्रम में श्री विजय पाल सिंह, एस0टी0ए0 तथा श्री नीरज कुमार पाण्डे, टी0ए0 ने भागीदारी की।
- दिनांक अक्टूबर 5–25, 2018 के दौरान भाकृअनुप– सी0आई0पी0 एच0ई0टी0, लुधियाना में आयोजित स्थायी विकास और लाभप्रदता के लिए खाद्य और उप–उत्पाद प्रसंस्करण में वर्तमान अभियांत्रिकी हस्तक्षेप विषय पर विन्टर स्कूल प्रशिक्षण कार्यक्रम में इंजी0 श्याम नाथ, वैज्ञानिक ने भागीदारी की।
- अक्टूबर 3–10, 2018 के दौरान भाकृअनुप– वी0पी0के0ए0एस0 में आयोजित मुख्य पर्वतीय फसलों में समेकित नाशीजीव प्रबन्धन विषय पर माडल प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में श्री जे0पी0 गुप्ता, एस0टी0ए0 तथा श्री राजेन्द्र प्रसाद, तकनीशियन ने भागीदारी की।
- अक्टूबर 10–14, 2018 के दौरान भाकृअनुप– एन0आई0ए0एस0एम0, बारामती, महाराष्ट्र में आयोजित भाकृअनुप मूख्यालय/संस्थान के एस0ओ0/ए0ए0ओ0/ए0एफ0ए0ओ0/सहायकों के लिए प्रशासन एवं वित्त प्रबन्धन पर नवीन पाठ्यक्रम में श्री एल0 एम0 तिवारी, ए0ए0ओ0 ने भागीदारी की।
- दिसम्बर 17–22, 2018 को भाकृअनुप– एन0ए0ए0आर0एम0, हैदराबाद में पी0एम0ई0 के लिए प्रबन्धन विकास कार्यक्रम में डा0 जे0 के0 बिष्ट, प्रभारी, पी0एम0ई0 ने भागीदारी की।
- दिसम्बर 18–29, 2018 को भाकृअनुप– एन0ए0ए0आर0एम0, हैदराबाद में नेतृत्व विकास (शोध प्रबन्धन स्थिति से पूर्व कार्यक्रम) के लिए प्रबन्धन विकास कार्यक्रम में डा0 एस0 सी0 पाण्डेय, प्रधान वैज्ञानिक ने भागीदारी की।

सेवानिवृत्त

- डा0 वी. के. सचान, प्रभागाध्यक्ष एवं प्रधान वैज्ञानिक, के0वी0के0, चिन्यालीसौण, 31.08.2018
- श्री मोहन सिंह रौतेला, तकनीकी अधिकारी, 31.08.2018
- श्री महेन्द्र राम, कुशल सहायक कर्मचारी, 30.09.2018
- श्री एल. डी. मेलकानी, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, 31.12.2018

नियमितीकरण

- श्रीमती जिबुली देवी, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018

- Smt. Narayani Devi, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018
- Shri Narayan Singh, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018
- Smt. Radhika Devi, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018
- Shri Ram Singh, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018
- Shri Govind Ballabh Joshi, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018
- Shri Nandan Singh Jeena, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018
- Shri Pratap Singh, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018
- Shri Dinesh Chandra Tewari, Skilled Supporting Staff on 18.10.2018

New Colleagues

- Km. Ankita Kandpal, Scientist (Agricultural Economics) on 16.07.2018
- Shri. Rajendra Prasad Meena, Scientist (Agronomy) on 28.07.2018
- Shri. Sushil Kumar, Scientist (Agricultural Extension) on 28.07.2018
- Mr. Neeraj Joshi, Farm Manager, KVK, Chinyalisaur on 19.09.2018
- Mrs. Khobragade Rohini Tamradhwaj, Programme Assistant (Computer) KVK, Chinyalisaur on 22.09.2018
- Mr. Varun Supyal, Programme Assistant (Lab Technician) KVK, Chinyalisaur on 05.10.2018
- Ms. Asha Kumari, Scientist (Plant Physiology) on 08.10.2018
- Mr. Amit Umesh Paschapur, Scientist (Agril. Entomology) on 09.10.2018
- Mr. Utkarsh Kumar, Scientist (Land & Water Management Engineering) on 09.10.2018
- Mr. Ashish Kumar Singh, Scientist (Nematology) on 09.10.2018
- Mr. Jeevan B., Scientist (Plant Pathology) on 09.10.2018
- Dr. Navin Chander Gahtyari, Scientist (Genetic & Plant Breeding) on 09.10.2018
- Dr. Devendra Kumar, Scientist (Genetic & Plant Breeding) on 09.10.2018
- Dr. Priyanka Khati, Scientist (Agricultural Microbiology) on 09.10.2018
- Mr. Keshav Nautiyal, Technical Assistant/T-3 (Field/Farm Technician) on 01.12.2018
- Mr. Sachin Singh Panwar, Technical Assistant/T-3 (Field/Farm Technician) on 04.12.2018

- श्रीमती नारायणी देवी, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018
- श्री नारायण सिंह, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018
- श्रीमती राधिका देवी, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018
- श्री राम सिंह, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018
- श्री गोविन्द बल्लभ जोशी, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018
- श्री नन्दन सिंह जीना, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018
- श्री प्रताप सिंह, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018
- श्री दिनेश चन्द्र तिवारी, कुशल सहायक कर्मचारी, 18.10.2018

नये साथी

- कु0 अंकिता काण्डपाल, वैज्ञानिक, (कृषि अर्थशास्त्र), 16.07.2018
- श्री राजेन्द्र प्रसाद मीणा, वैज्ञानिक, (सस्य विज्ञान), 28.07.2018
- श्री सुशील कुमार, वैज्ञानिक, (कृषि प्रसार), 28.07.2018
- श्री नीरज जोशी, प्रक्षेत्र प्रबन्धक, के0वी0के0, चिन्यालीसौण, 19.09.2018
- श्रीमती खोबरागड़े रोहिणी तमरध्वाज, कार्यक्रम सहायक (कम्प्यूटर), के0वी0के0, चिन्यालीसौण, 22.09.2018
- श्री वरूण सुप्याल, कार्यक्रम सहायक (लैब तकनीशियन), के0वी0के0, चिन्यालीसौण, 05.10.2018
- कु0 आशा कुमारी, वैज्ञानिक (पादप क्रिया विज्ञान), 08.10.2018
- श्री अमित उमेश पश्चापुर, वैज्ञानिक (कृषि कीट विज्ञान), 09.10.2018
- श्री उत्कर्ष कुमार, वैज्ञानिक (भूमि एवं जल प्रबन्धन इंजीनियरिंग), 09.10.2018
- श्री आशीष कुमार सिंह, वैज्ञानिक (सूत्रकृमि विज्ञान), 09.10.2018
- श्री जीवन बी., वैज्ञानिक (पौध रोग विज्ञान), 09.10.2018
- श्री नवीन चन्द्र गहत्यारी, वैज्ञानिक (पौध अभिजनन), 09.10.2018
- श्री देवेन्द्र कुमार, वैज्ञानिक (पौध अभिजनन), 09.10.2018
- डा0 प्रियंका खाती, वैज्ञानिक (कृषि माइक्रोबाइलोजी), 09.10.2018
- श्री केशव नौटियाल, तकनीकी सहायक/ टी–3 (फील्ड/फार्म तकनीशियन), 01.12.2018
- श्री सचिन सिंह पवार, तकनीकी सहायक/ टी–3 (फील्ड/फार्म तकनीशियन), 04.12.2018

- Mr. Devendra Singh Karki, Technician/T-1 (Field/Farm Technician) on 12.12.2018
- Mr. Ajit Bisht, Technician/T-1 (Field/Farm Technician) on 13.12.2018
- Mr. Sudhanshu, Technical Assistant/T-3 (Library) on 27.12.2018
- Mrs. Monika Yadav, Technical Assistant/T-3 (Field/Farm Technician) on 31.12.2018
- Mr. Deenbandhu Gain, Technician/T-1 (Field/Farm Technician) on 31.12.2018

Transfer

- Dr. Anirban Mukherjee, Scientist (Agril. Extension) transferred to ICAR Research Complex for Eastern Region, Patna on 13.07.2018

Foreign Visit

- Dr. A. Pattanayak, Director visited Nepal as ICAR nominee in the Indo-Nepal Joint Working Group on Agriculture during August 16-17, 2018.

Promotion

- Shri Dinesh Chandra Mishra, Assistant Chief Technical Officer *w.e.f.* 14.05.2017
- Dr. Gaurav Papnai, SMS/ACTO (T-7-8) *w.e.f.* 10.12.2017
- Ms. Manisha, SMS/ACTO (T-7-8) *w.e.f.* 14.12.2017
- Shri Harish Chandra Joshi, SMS/ACTO (T-7-8) *w.e.f.* 05.10.2017
- Shri Salim, Technical Assistant (Driver)/ T-3 *w.e.f.* 02.01.2016
- Shri Lalit Mohan Tewari, Assistant Administrative Officer *w.e.f.* 27.11.2018
- Shri Sachin Kumar Pandey, Upper Division Clerk *w.e.f.* 27.11.2018

Obituary

- Shri Sundar Lal Balmiki, CLTS w.e.f. 04.07.2018

Published by : Dr. Arunava Pattanayak, Director, ICAR-V.P.K.A.S., Almora, Uttarakhand

Compiled, Collated & Edited by : Drs. J.K. Bisht, P.K. Mishra and Mrs. Renu Sanwal

Hindi Translation : Shri T.B. Pal

Word Processing : Shri C.C. Joshi

Printed at : **Venus Printers and Publishers,** B-62/8, Naraiana Industrial Area, Phase II, New Delhi, Tel. : 45576780, Mobile : 9810089097

- श्री देवेन्द्र सिंह कार्की, तकनीशियन / टी–1 (फील्ड / फार्म तकनीशियन), 12.12.2018
- श्री अजीत बिष्ट, तकनीशियन / टी–1 (फील्ड / फार्म तकनीशियन), 13.12.2018
- श्री सुधांशु, तकनीकी सहायक / टी–3 (पुस्तकालय), 27.12.2018
- श्रीमती मोनिका यादव, तकनीकी सहायक / टी–3 (फील्ड / फार्म तकनीशियन), 31.12.2018
- श्री दीनबन्धु गैन, तकनीशियन / टी–1 (फील्ड / फार्म तकनीशियन), 31.12.2018

स्थानान्तरण

- डा0 अनिर्बान मुखर्जी, वैज्ञानिक (कृषि प्रसार) का भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद का पूर्वी अनुसंधान परिसर, पटना में स्थानान्तरण, 13.07.2018

विदेश भ्रमण

- डा0 ए. पट्टनायक, निदेषक ने 16–17 अगस्त 2018 के दौरान कृषि पर भारत–नेपाल संयुक्त कार्य समूह में आई0सी0ए0आर0 द्वारा नामित सदस्य के रूप में नेपाल भ्रमण किया।

पदोन्नति

- श्री दिनेश चन्द्र मिश्रा, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, 14.05.2017 से
- डा0 गौरव पपने, विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, 10.12.2017 से
- कु0 मनीषा, विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, 14.12.2017 से
- श्री हरीश चन्द्र जोशी, विषय वस्तु विशेषज्ञ / सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, 05.10.2017 से
- श्री सलीम, तकनीकी सहायक (वाहन चालक), 02.01.2016 से
- श्री ललित मोहन तिवारी, सहायक प्रशासनिक अधिकारी, 27.11.2018 से
- श्री सचिन कुमार पाण्डे, वरिष्ठ लिपिक, 27.11.2018 से

निधन

- श्री सुन्दर लाल बाल्मिकी, नैमित्तिक श्रमिक अस्थाई स्तर, 04.07.2018 से

प्रकाशक : डॉ. अरूणव पट्टनायक, निदेशक, भाकृअनुप–वि.प.कृ.अनु.सं., अल्मोड़ा, उत्तराखण्ड

संकलन एवं सम्पादन : डॉ. जे.के. बिष्ट, पी.के. मिश्रा एवं श्रीमती रेनू सनवाल

हिन्दी अनुवाद : श्री तेज बहादुर पाल

शब्द आलेख : श्री चारू चन्द्र जोशी

वीनस प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स, बी–62 / 8, नारायणा औद्योगिक क्षेत्र, फेस–II, नई दिल्ली, दूरभाष: 45576780 मोबाईल: 9810089097 से मुद्रित।